लोक सभा सचिवालय
प्रेस एवं जन सम्पर्क स्कंध
संसद भवन, नई दिल्ली
LOK SABHA SECRETARIAT
Press and Public Relations Wing
Parliament House, New Delhi

प्रेस विज्ञप्ति PRESS RELEASE

AT A TIME WHEN SOME FORCES ARE TRYING TO DISRUPT OUR PROGRESS AND UNITY, GAYATRI PARIVAR IS WORKING TO UNITE THE NATION/ऐसे समय में जब कुछ ताकतें देश को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं, गायत्री परिवार देश को एकजुट करने का काम कर रहा है: लोक सभा अध्यक्ष

…

UNITED EFFORTS TOWARDS 'DEVELOPED INDIA' MUST BE OUR COLLECTIVE RESOLUTION: LOK SABHA SPEAKER/'विकसित भारत' के लिए मिलकर प्रयास करना हमारा सामूहिक संकल्प होना चाहिए: लोक सभा अध्यक्ष

…

LOK SABHA SPEAKER INAUGURATES KALASH YATRA AT DEV SANSKRITI VISHWAVIDYALAYA, HARIDWAR/लोक सभा अध्यक्ष ने देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार में कलश यात्रा का उद्घाटन किया

…

Haridwar/New Delhi, 7 September, 2024: Lok Sabha Speaker Shri Om Birla inaugurated the 'Kalash Yatra' organized at Dev Sanskriti Vishwavidyalaya, Haridwar. Expressing happiness at participating in this spiritually significant event, Shri Birla highlighted the collaborative efforts of the Gayatri Parivar and Dev Sanskriti Vishwavidyalaya in transforming Shanti Kunj and Devbhoomi Uttarakhand as important centres of spirituality. He also spoke of his long association with the Gyatri Parivaar and observed that its unwavering commitment to the welfare of the humanity is praiseworthy.

On this occasion, Shri Birla paid tribute to Pandit Shriram Sharma Acharya and Mata Bhagwati Devi, honoring their lifelong vision of bringing forth a new 'Satya Yug' amidst the prevailing 'Kalyug'' tendencies. He recalled the humble

beginnings of the organization and mentioned how, through the unwavering resolve of Pandit Shriram Sharma Acharya and Mata Bhagwati Devi, the Gayatri Parivar has grown into a transformative center that has enriched and energized the lives of millions. He commended the Yatra's mission of spreading enlightenment and awakening the nation. Mentioning the role played by the Gayatri Parivar in nation building, Shri Birla stressed that at a time when some forces in India, particularly in tribal dominated areas, are trying to disrupt our progress and unity, Gayatri Parivaar is working to unite India. He also emphasized the importance of the Kalash Yatra as a vital step toward public awakening, urging everyone to take a pledge to let the light of the yatra illuminate their minds and consciousness, spreading wisdom and knowledge across the country.

Drawing on the life and work of Pandit Shriram Sharma Acharya who, alongside his social activism also contributed significantly to India's freedom movement, Shri Birla noted that without a deep cultural awakening and an understanding of our rich heritage, the nation's progress would remain incomplete. He praised the writings of Pandit Shriram Sharma for fostering such awareness and enlightenment.

Concluding his address, he hoped that the Kalash Yatra, traveling across the country, would serve as a powerful catalyst for cultural and spiritual awakening, as well as a symbol of unity. He emphasized the importance of lighting the lamp from one another, spreading the light of progress, prosperity, and fulfillment across the nation, and inspiring collective efforts toward realizing the vision of a Developed India.

हरिद्वार/नई दिल्ली, 7 सितंबर, 2024: लोक सभा अध्यक्ष, श्री ओम बिरला ने आज देव संस्कृति विश्वविद्यालय, हरिद्वार में आयोजित 'कलश यात्रा' का उद्घाटन किया। आध्यात्मिक दृष्टि से महत्वपूर्ण इस आयोजन में शामिल होने पर प्रसन्नता व्यक्त करते हुए श्री बिरला ने गायत्री परिवार और देव संस्कृति विश्वविद्यालय द्वारा शांति कुंज और देवभूमि उत्तराखंड को आध्यात्मिकता का एक प्रमुख केंद्र बनाने के लिए किए जा रहे अथक प्रयासों की सराहना की। श्री बिरला ने गायत्री परिवार के साथ लंबे समय से अपने जुड़ाव का उल्लेख भी किया।

इस अवसर पर, पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य और माता भगवती देवी को नमन करते हुए श्री बिरला ने कहा कि उन्होंने आजीवन 'कलियुग' के बीच एक नया 'सत्य युग' लाने के लिए कार्य किया । संगठन की शुरुआत के दिनों का स्मरण करते हुए श्री बिरला ने बताया कि पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य और माता भगवती देवी के अटल संकल्प से गायत्री परिवार एक ऐसे केंद्र के रूप में विकसित हुआ जिससे लाखों लोगों के जीवन में एक नई ऊर्जा का संचार हुआ। उन्होंने ज्ञान का प्रचार-प्रसार करने और राष्ट्र को जागृत करने के यात्रा के मिशन की सराहना की। राष्ट्र निर्माण में गायत्री परिवार की भूमिका का उल्लेख करते हुए श्री बिरला ने इस बात पर जोर दिया कि ऐसे समय में जब भारत में कुछ ताकतें, खासकर आदिवासी बहुल क्षेत्रों में, एकता को तोड़ने की कोशिश कर रही हैं, वहीं गायत्री परिवार भारत को एकजुट करने के लिए काम कर रहा है। श्री बिरला ने जन जागरण की दिशा में कलश यात्रा के महत्व पर भी जोर दिया और सभी से आग्रह किया कि वे इस यात्रा से अपने मन और चेतना को आलोकित करते हुए पूरे देश में ज्ञान और प्रज्ञा का प्रसार करने का संकल्प लें।

श्री बिरला ने पंडित श्रीराम शर्मा आचार्य के जीवन और कार्यों का उल्लेख करते हुए कहा कि सामाजिक सक्रियता के साथ ही उन्होंने भारत के स्वतंत्रता आंदोलन में भी महत्वपूर्ण योगदान किया। अध्यक्ष महोदय ने यह भी कहा कि गहन सांस्कृतिक जागृति से और अपनी समृद्ध विरासत को समझने से ही देश की प्रगति होगी और इस तरह की जागरूकता और ज्ञान को बढ़ावा देने के लिए पंडित श्रीराम शर्मा की कृतियों की सराहना की।

अपने संबोधन के अंत में श्री बिरला ने आशा व्यक्त की कि यह कलश यात्रा पूरे देश में सांस्कृतिक और आध्यात्मिक जागृति लाने के एक शक्तिशाली माध्यम के साथ ही एकता का प्रतीक भी होगी। उन्होंने दीप से दीप जलाने, पूरे देश में प्रगति, समृद्धि और शांति का प्रकाश फैलाने तथा विकसित भारत के सपने को साकार करने की दिशा में सामूहिक प्रयास करने के महत्व पर बल दिया।